अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष का समापन समारोह

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में **खाद्य और कृषि संगठन (FAO)** ने रोम में FAO मुख्यालय में **अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष (IYM) 2023** के समापन समारोह की मेज़बानी की।

- कदन्न के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 70 से अधिक देशों द्वारा समर्थित भारत के प्रस्ताव के बाद **संयुक्त राष्ट्र** ने **वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष घोषित किया।**
  - साल भर चलने वाले उत्सव में कदन्न के पोषण संबंधी लाभों, प्रतिकूल जलवायु के लिये अनुकूलनशीलता और संधारणीय बाज़ार के अवसर उत्पन्न करने में भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
- कदन्न वनस्पति परिवार से संबंधित **छोटे दाने वाले, वार्षिक, गर्म मौसम** वाले **अनाज** हैं।
  - ज्वार (ज्वार), बाजरा (मोती बाजरा) और रागी (फिंगर बाजरा) भारत में उगाए जाने वाले महत्त्वपूर्ण कदन्न हैं।
  - **अनावृष्टि और मृदा की खराब उर्वरता के कारण अर्द्धशुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में कदन्न मुख्य फसल है। उनमें प्रमुख अनाज वाली फसलों की तुलना में पोषक तत्त्वों की मात्रा अधिक होती है और वे सूखे एवं चरम मौसम की स्थिति के प्रति सहनशील होते हैं।

कदन्न (MILLETS)

कदन्न/ मिलेट्स/ मोटा अनाज:

- **छोटे-बीज वाली फसलों को** मिलेट्स के रूप में जाना जाता है
- अक्सर इन्हें **'सुपरफूड'** के रूप में भी जाना जाता है
- इन **अनाजों के प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में** पाए गए और ये **भोजन के लिये उगाए गए पहले पौधों में से** थे।

जलवायु संबंधी स्थिति:

- भारत में मुख्य रूप से **खरीफ की फसल**
- **तापमान:** 27°C–32°C
- **वर्षा:** लगभग 50–100 सेमी
- **मिट्टी का प्रकार:** अवर जलोढ़ या दोमट मिट्टी

भारत और कदन्न:

- **विश्व का सबसे बड़ा कदन्न उत्पादक:**
  - वैश्विक उत्पादन का 20%, एशिया के उत्पादन का 80%
- **सामान्य कदन्न:**
  - **रागी** (Finger millet), **ज्वार** (Sorghum), समा (Little millet), बाजरा (Pearl millet), और चेना /पुनर्वा (Proso millet)
  - स्वदेशी किस्में (छोटे बाजरा)–कोदो, कुटकी, चेना और साँवा
- **शीर्ष कदन्न उत्पादक राज्य:**
  - राजस्थान > कर्नाटक > महाराष्ट्र > मध्य प्रदेश > उत्तर प्रदेश
- **सरकार की पहलें:**
  - 'गहन कदन्न संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु पहल' (INSIMP)
  - **इंडियाज वेल्थ, मिलेट्स फॉर हेल्थ**
  - मिलेट्स स्टार्टअप इनोवेशन चैलेंज
  - कदन्न के लिये **एमएसपी में वृद्धि**
  - कृषि मंत्रालय ने 2018 में कदन्न को **"पोषक अनाज"** के रूप में घोषित किया

अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष वर्ष 2023

भारत द्वारा प्रस्तावित, UNGA द्वारा घोषित

MILLET MAP OF INDIA

महत्त्व

- कम महंगा, पोषण की दृष्टि से बेहतर
- उच्च प्रोटीन, फाइबर, खनिज, लोहा, कैल्शियम और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स
- जीवनशैली की समस्याओं और स्वास्थ्य (मोटापा, मधुमेह आदि) से निपटने में मददगार
- फोटो-असंवेदनशील, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीला, जल गहन

और पढ़ें: भारत की कदन्न क्रांति

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/closing-ceremony-of-international-year-of-millets